>

Title: Need to ensure the payment by Private Sugar Mills to sugarcane growers in Ramnagar, Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मैं इस सदन का ध्यान उत्तराखण्ड के रामनगर क्षेत्र के गन्ना किसानों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। तराई का यह क्षेत्र प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्र है। इस क्षेत्र का गन्ना काशीपुर की चीनी मिल में पिराई के लिए जाता था। काशीपुर की यह मिल निजी स्वामित्व की है। इस मिल को रामनगर क्षेत्र के गन्ना किसानों का लगभग 25 करोड़ रूपये का भुगतान करना है जिसमें 2007-2008 का ही 5 करोड़ रूपया है। मिल मालिकों ने इस वर्ष मिल को चलाने से मना कर दिया है जिससे वहां के किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एक तो पिछला बकाया नहीं मिला, ऊपर से इस वर्ष मिल के न चलने से किसानों की स्थिति काफी कष्टकारी हो गई है। हालात यह है कि खेत में अभी तक गन्ने नहीं कटे हैं जिससे दूसरी फसल की बुआई नहीं हो पा रही है। सरकारी मिलों ने तो अपने बकाये का भुगतान किसानों को कर दिया है, परंतु निजी मिल वालों ने गन्ना किसानों को भुगतान नहीं किया है।

केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह उत्तराखण्ड सरकार को निर्देशित करें कि वह रामनगर क्षेत्र के गन्ना किसानों का भुगतान निजी मिल से शीघ्र करवाएं तथा उनके गन्ने की पिराई के लिए अन्य मिल की शीघ्र व्यवस्था करे।